सावरिया मन भाया रे

सावरिया मन भाया रे,
सावरिया मन भाया रे ।

सोहिनी सूरत, मोहिनी मूरत,
हृदय बीच समाया रे ।

देश में ढूंढा, विदेश में ढूंढा,
अंत को अंत ना पाया रे ।

काहू में एहमद, काहू में ईसा,
काहू में राम कहाया रे ।

सोच कहे यकरंग पिया,
जिन ढूंढा तिन पाया रे ।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/327/title/saawariya-man-bhaya-re

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |